चक्रवाती तूफान हिलेरी

- चक्रवाती तूफान हिलेरी कैलिफोर्निया तक पहुंच गया है। मैक्सिको तट पर जानलेवा साबित हुआ तूफान कैलिफोर्निया में भूकंप व तेज हवाओं संग भारी बारिश लाया है। इस कारण तबाही मच गयी है।

- चक्रवाती तूफान हिलेरी को श्रेणी 1 का तूफान बताया जा रहा है और इससे भारी नुकसान होने की आशंका है।

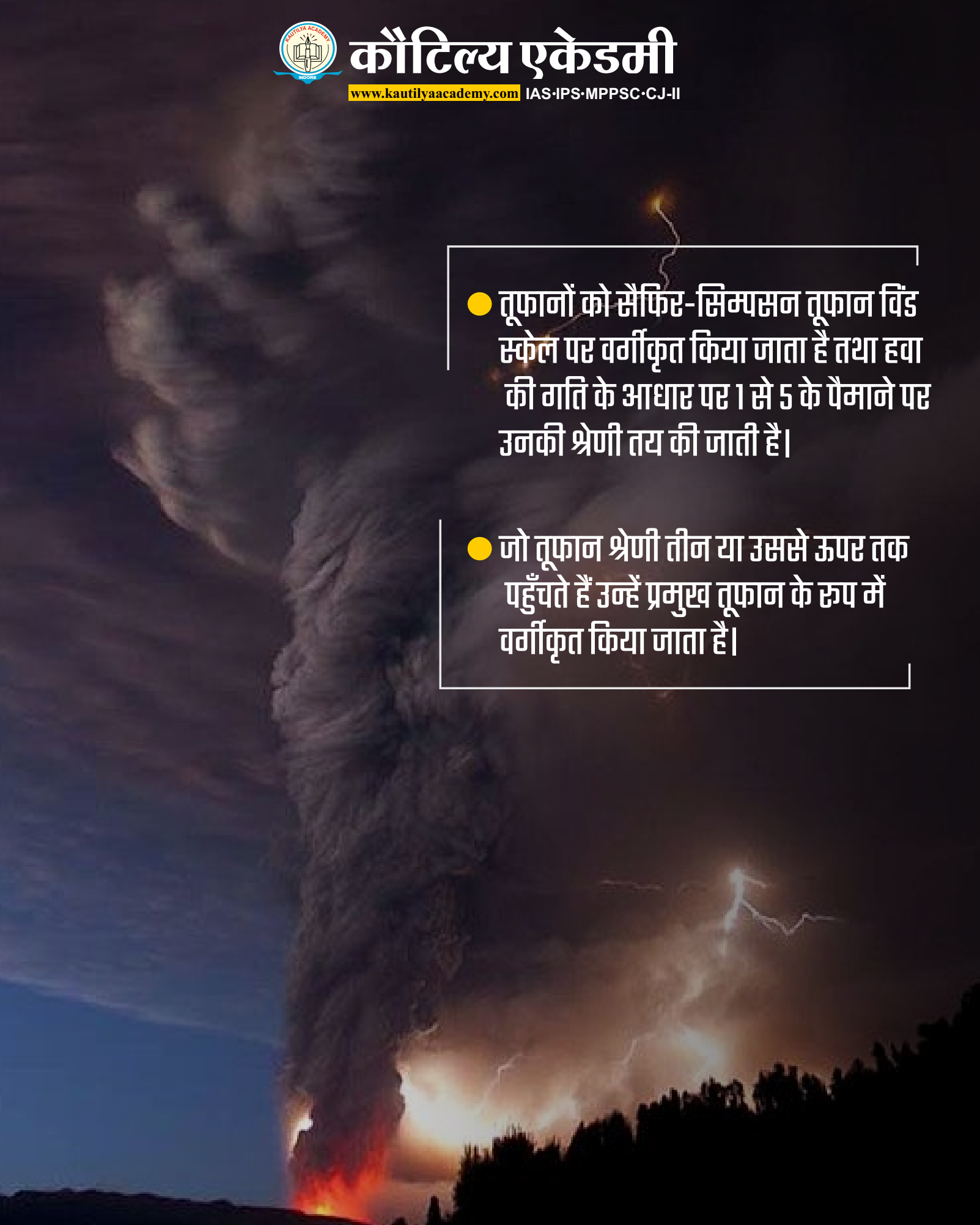

- तूफानों को सैफिर-सिम्पसन तूफान विंड स्केल पर वर्गीकृत किया जाता है तथा हवा की गति के आधार पर 1 से 5 के पैमाने पर उनकी श्रेणी तय की जाती है।

- जो तूफान श्रेणी तीन या उससे ऊपर तक पहुँचते हैं उन्हें प्रमुख तूफान के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

- वर्ष 1939 के बाद दक्षिणी कैलिफोर्निया में आने वाला यह पहला उष्णकटिबंधीय तूफान है।

- हिलेरी कई कारकों के संयोजन के कारण कैलिफोर्निया की ओर बढ़ रहा है, जैसे कि पश्चिमी अमेरिका में उच्च दबाव प्रणाली, पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में कम दबाव प्रणाली और एक अल नीनो घटना जो भूमध्य रेखा के पास समुद्र के पानी को गर्म करती है।

- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के बनने और मैक्सिको तथा मध्य अमेरिका के तट के साथ उत्तर की ओर बढ़ने के लिये अनुकूल वातावरण बनाते हैं।

- वहीं अमेरिका के पश्चिमी तट पर ठंडे पानी, ठंडी धाराओं और प्रतिकूल हवाओं के कारण इनमें से अधिकांश तूफान कैलिफोर्निया पहुँचने से पहले कमज़ोर हो जाते हैं या पश्चिम की ओर मुड़ जाते हैं।

- हिलेरी एक अपवाद है क्योंकि उसने अपनी ताकत बरकरार रखी है और सामान्य से अधिक उत्तरी ट्रैक का पालन किया है।

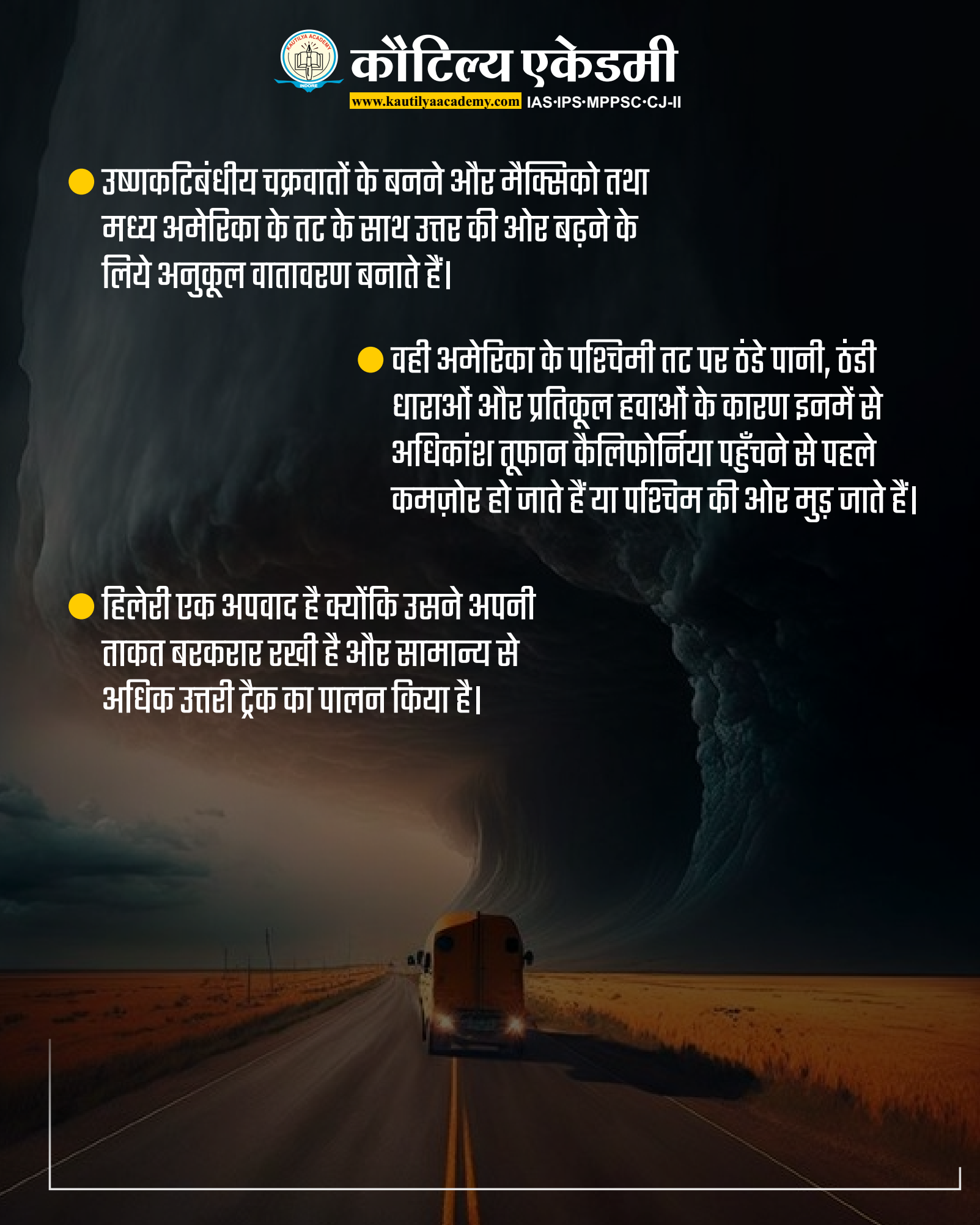

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

ब्लैक पाम कॉकटू

- वन अधिकारियों ने कहा कि असम पुलिस ने कछार जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास ढोलाइखाल गांव से छह ब्लैक पाम कॉकटू को बचाया है।
- ऑस्ट्रेलियाई तोतों को कछार वन प्रभाग के तहत ढोलाई रेंज के वन अधिकारियों को सौंप दिया गया।

- विदेशी जंगली पक्षियों की जब्ती की जानकारी वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय के साथ साझा की गई।
- पाम कॉकटू भूरे या काले रंग के तोते की एक प्रजाति जिसकी बड़ी काली चोंच एवं कलगी,हलके पीले रंग के पंख और गाल पर लाल धब्बे।

कौटिल्य एकेडमी
www.kautilyaacademy.com IAS·IPS·MPPSC·CJ-II

- स्थानिक प्रजाति : न्यू गिनी, अरु द्वीप और केप यॉर्क प्रायद्वीप की।
- पत्ती की कलियाँ, फल और बीज के साथ-साथ कीट और उनके लार्वा का सेवन।
- आई.यू.सी.एन. स्थिति : कम चिंताजनक (LC)

मट्टी केला

कन्याकुमारी जिले के मूल निवासी मट्टी केले की किस्म को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग दिया गया, और यह अपनी अनूठी विशेषताओं के लिए जाना जाता है जो केवल अपने मूल क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु और मिट्टी की स्थिति में पनपते हैं।

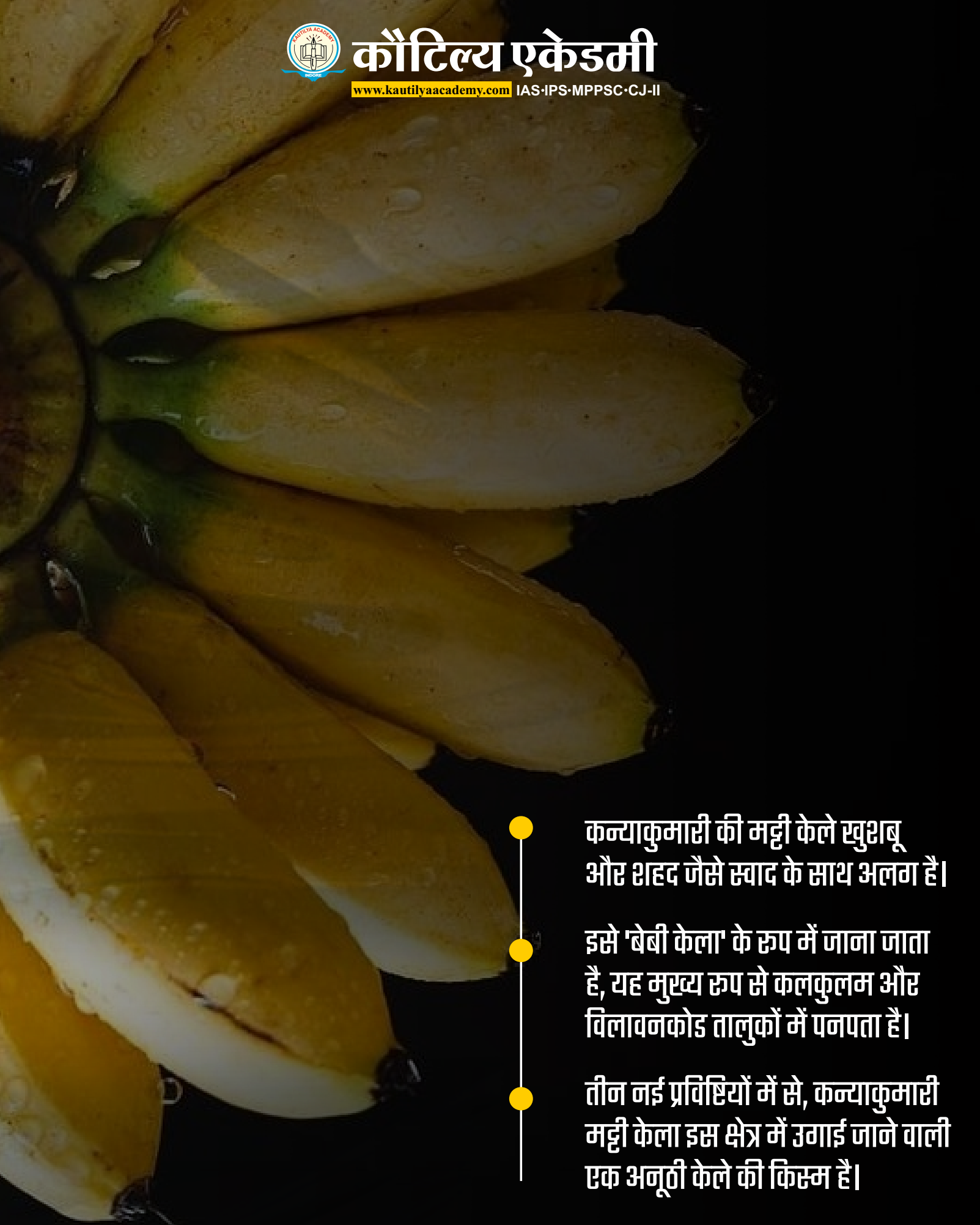

- कन्याकुमारी की मट्टी केले खुशबू और शहद जैसे स्वाद के साथ अलग है।
- इसे 'बेबी केला' के रुप में जाना जाता है, यह मुख्य रुप से कलकुलम और विलावनकोड तालुकों में पनपता है।
- तीन नई प्रविष्टियों में से, कन्याकुमारी मट्टी केला इस क्षेत्र में उगाई जाने वाली एक अनूठी केले की किस्म है।

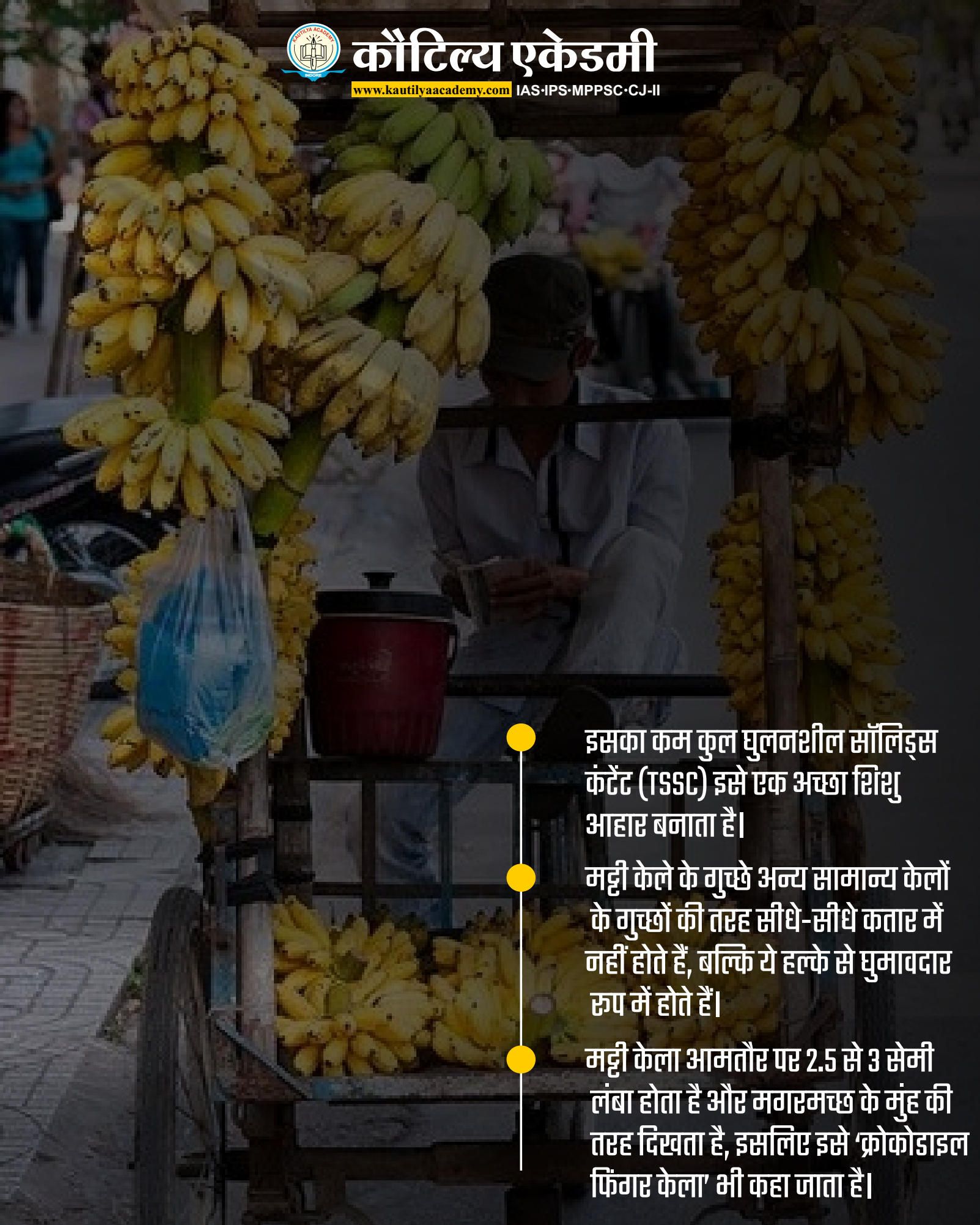

- इसका कम कुल घुलनशील सॉलिड्स कंटेंट (TSSC) इसे एक अच्छा शिशु आहार बनाता है।
- मट्टी केले के गुच्छे अन्य सामान्य केलों के गुच्छों की तरह सीधे-सीधे कतार में नहीं होते हैं, बल्कि ये हल्के से घुमावदार रूप में होते हैं।
- मट्टी केला आमतौर पर 2.5 से 3 सेमी लंबा होता है और मगरमच्छ के मुंह की तरह दिखता है, इसलिए इसे 'क्रोकोडाइल फिंगर केला' भी कहा जाता है।